

गवर्नर का स्वागत संबोधन

RBI के डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, ओडिशा के महामहिम राज्यपाल महोदय, मुख्यमंत्री महोदय, केंद्रीय वित्त मंत्री जी, केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जी, उप-मुख्यमंत्री, विशिष्ट अतिथिगण, देवियों और सज्जनों।

नमस्कार, और शुभ संध्या।

2. मैं RBI की ओर से भुवनेश्वर में नए डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान के उद्घाटन समारोह में आप सभी का तहे दिल से स्वागत करता हूँ। मैं माननीय प्रधानमंत्री जी का विशेष रूप से हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। महोदय, आपकी उपस्थिति दर्शाती है कि हमारा देश एक सुरक्षित, समावेशी और तकनीक-आधारित वित्तीय प्रणाली को कितना महत्व देता है।

3. मौद्रिक नीति, वित्तीय स्थिरता, विनियमन, भुगतान और मुद्रा प्रबंधन से जुड़े दायित्वों को पूरा करने में तकनीक की केंद्रीय भूमिका है। तदनुसार रिजर्व बैंक स्वयं महत्वपूर्ण वित्तीय बाजार infrastructure का संचालन करता है। RTGS के माध्यम से बड़ी राशि के लेन-देन का निपटान रियल-टाइम में होता है। NEFT के जरिए खुदरा (retail) लेन-देन 24 घंटे किए जा सकते हैं। हमारा कोर बैंकिंग समाधान, 'ई-कुबेर' (E-Kuber), सरकारी बैंकिंग और बैंकों के साथ हमारे लेन-देन का आधार है। NDS-OM प्लेटफॉर्म सरकारी प्रतिभूतियों (government securities) में पारदर्शी ट्रेडिंग को संभव बनाता है। 'RBI रिटेल डायरेक्ट' ने इस बाजार को आम निवेशकों के लिए खोल दिया है।

4. प्रौद्योगिकी ने हमारे आंतरिक कामकाज को भी transform कर दिया है। PRAVAH के माध्यम से, विनियमित (regulated) संस्थाएं विभिन्न लाइसेंस और अनुमोदन के लिए ऑनलाइन आवेदन करती हैं। हम अपने निर्गम कार्यालयों और करेंसी चेस्ट में डेटा-आधारित प्रणालियों के माध्यम से करेंसी नोट जारी करने, एवं उनके प्रसंस्करण (processing) और वितरण पर नज़र रखते हैं। हमारा पर्यवेक्षण, CIMS (हमारा डेटा वेयरहाउस) और DAKSH (हमारा पर्यवेक्षण प्लेटफॉर्म) पर आधारित है। इनके जरिये जोखिमों का शीघ्र पता लगाने के लिए विश्लेषण और सुपटेक जैसे उपकरण शामिल हैं।

5. नागरिकों के शिकायतों के लिए, Integrated Ombudsman Scheme portal, single point of contact प्रदान करती है। UD GAM पोर्टल लोगों को Unclaimed deposits का पता लगाने में मदद करता है।

6. रिजर्व बैंक की भूमिका बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र को प्रौद्योगिकी अपनाने में सुविधा प्रदान करना भी है। NPCI द्वारा संचालित UPI जैसे interoperable प्लेटफॉर्म ने करोड़ों लोगों को डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान की है। Account aggregator ढांचा, Unified Lending इंटरफ़ेस, रिजर्व बैंक इनोवेशन हब और regulatory sandbox, innovation को जिम्मेदारी से आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। RBI के सीबीडीसी पायलट

प्रोजेक्ट आधुनिक तकनीकियों पर आधारित मुद्रा के नए स्वरूपों की संभावनाओं का शोध करते हैं। हम जवाबदेही, निष्पक्षता और explainability के सिद्धांतों पर आधारित artificial intelligence को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

7. कोई भी सिस्टम जो सुरक्षित नहीं है, वह जनता का विश्वास पाने में सक्षम नहीं है। इसलिए, हमने IT गवर्नेंस, साइबर resilience, आउटसोर्सिंग, थर्ड-पार्टी जोखिम, तथा डिजिटल भुगतान सुरक्षा के लिए ज़रूरी फ्रेमवर्क लागू किए हैं।

8. माननीय प्रधानमंत्री जी, अप्रैल 2024 में RBI@90 के समारोह के दौरान आपने हमें Artificial Intelligence और नई तकनीकों को अपनाने, बैंकिंग के डिजिटल होने के साथ-साथ साइबर सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने, और इस काम के लिए skilled manpower को तैयार करने का सुझाव दिया था। डेटा सेंटर और साइबर प्रशिक्षण संस्थान उसी दिशा में हमारे प्रयासों का हिस्सा हैं।

9. नया डेटा सेंटर हमारे महत्वपूर्ण सिस्टम की क्षमता, Resilience और सुरक्षा को आगे बढ़ाएगा। IT प्रशिक्षण केंद्र RBI एवं पूरे बैंकिंग सिस्टम के अधिकारियों के लिए – साइबर सुरक्षा, डेटा साइंस, क्लाउड कम्प्यूटिंग और AI के क्षेत्र में कौशल विकसित करने में सहयोग करेगा।

10. अंत में, मैं इस सुविधा के निर्माण में अमूल्य योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति को, विशेषकर केंद्र सरकार व ओडिशा राज्य सरकार को, धन्यवाद देता हूँ।

11. एक बार पुनः सभी का, विशेषकर माननीय प्रधान मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार व अभिनंदन।

धन्यवाद। जय हिंद।